2017

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
Hindi [GENERAL]	0 5 1	English

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में one शब्दों में 1

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 09

ग – परीक्षा का दिनांक 07 03 2017

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

H.S.S.EXAM 421017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
ममता ओरा Mamta	[signature]

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
3646	B.S.KUSHWAH (ADHYAPAK) GOVT. EXCE. H. S. SCHOOL SEONDHA DISTT. DATIA (M.P.) 28123

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में

2 योग पूर्व पृष्ठ + पृ० क्र अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र. 1

प्रश्न-1 उचित - - - - पूर्ति कीजिए :-

उत्तर-1

(i) 478 ई.

(ii) निबंध

(iii) फणीश्वरनाथ रेणु

(iv) 142

(v) गुलाब राय

BSE

प्रश्न-2 निम्नलिखित - - - - विकल्प चुनिये -

उत्तर-2

(i) → (स) बादल

(ii) → (स) सत्याग्रह

(iii) → (द) 1915

(iv) → (ब) वर्षा

(v) → (स) कमल

ARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.3
प्रश्न - 3) सत्य / असत्य

उत्तर-3
(i) सत्य
(ii) असत्य
(iii) सत्य
(iv) असत्य
(v) असत्य

B
S
E

प्रश्न-4
उत्तर-4

	स्तम्भ 'क'	स्तम्भ 'ख'
(i)	तीन बच्चे	(क) सुभद्राकुमारी चौहान
(ii)	यशोधरा की व्यथा	(अ) मैथिलीशरण गुप्त
(iii)	पुस्तक	(ब) निबंध
(iv)	रहिमन विलास	(इ) रहीम
(v)	शौर्य गाथा	(स) भूषण

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र. 5
प्रश्न -5 निम्नलिखित ----- एक वाक्य में दीजिए -

उत्तर-5
(i) गांधीजी के अनुसार सच्ची शिक्षा 'कर्त्तव्य' का बोध कराती है।

(ii) गंगा का जल

(iii) कर्मधारय समास

(iv) रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं।

(v) कर" शब्द अंग्रेजी के 'Tax' (टैक्स) शब्द का पर्याय है।

BSE

प्रश्न-6 मोमबत्ती ----- गई ?

उत्तर-6 मोमबत्ती बुझने पर चांदनी रवीन्द्रनाथ टैगोर के खिड़की और दरवाजे से झाँकती हुई पूरे कमरे में फैल गई। सारा वातावरण जगमगा उठा जब रवीन्द्रनाथ टैगोर ने खिड़की के पार देखा तो उनका तन बदन चांदनी में नहा गया। इस प्रकार चांद की दुधिया रोशनी पूरे कक्षा में फैल गई।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न - 7

7 राजा का ---- था ?

-7 राजा का चुनाव इसलिए आवश्यक था क्योंकि जो राजा राज्य करता था उसकी मृत्यु हो गई थी। और राजा के कोई संतान भी नहीं थी जो उनके बाद उनका राज-कार्य संभाल सके। मंत्रीजी भी बहुत वृद्ध हो चुके थे तथा राज-कार्य से छुटकारा चाहते थे। इसीलिए राजा का चुनाव आवश्यक हो गया था।

प्रश्न - 8

.8 भारतेन्दु ------ लिखिए ?

-8 भारतेन्दु युग का समय सन् 1850 से 1900 ई. तक माना जाता है। इस युग की विशेषताएं निम्नलिखित है :-

(अ) इस युग में राजनीतिक सजगता स्पष्ट दिखाई देती है।

(ब) इस युग के लेखकों में राष्ट्रीय चेतना का भाव विद्यमान था।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

	लेखक	रचना (कृति)
(अ)	बालकृष्ण भट्ट	मेला - ठेला
(ब)	प्रतापनारायण मिश्र	वृद्ध, दाँत

प्रश्न - 9

प्र.9 शुक्ल - - - नाम लिखो :-

3=9

शुक्ल युग का समय सन् 1920 से 1940 ई. तक माना जाता है। इस युग की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित है :-

(अ) इस युग में गंभीर तथा विचार प्रधान निबंध अधिक लिखे गए। समास शैली का प्रयोग किया गया।

(ब) समसामयिक प्रश्न और समस्याओं को लेकर निबंध लिखे गए।

इस युग के निबंधकार है :-

निबंधकार :- वियोगी हरि, महादेवी वर्मा

BSE

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBO

प्रश्न - 10

प्र.10 पर्यायवाची

(i) कमल :- पंकज, सरोज, जलज, अंबुज

(ii) गंगा :- देवनदी, सुरसरि

प्रश्न - 11

प्र.11 समास विग्रह

शब्द	समास विग्रह	समास का नाम
(i) कमल नयन	कमल के समान नयन	कर्मधारय समास
(ii) नवरत्न	नौ रत्नों का समाहार	द्विगु समास

प्रश्न - 12

प्र.12 निम्नलिखित --- कीजिए -

(i) दिन - दीन

दिन → दिवस

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

न क्र.

वाक्य श्याम को सप्ताह में एक दिन आराम कर करने की आदत है।

दीन → दरिद्र
वाक्य हमें दीन - दुखियों की सेवा करनी चाहिए।

(ii) नींद - निन्द्य

नींद → निंद्रा (सोना)
वाक्य मुझे तो कल रात नींद ही नहीं आई।

B S E

निन्द्य → बुरा
वाक्य आतंकवाद निन्द्य कृत्य है।

प्रश्न - 13

प्र. 13 लोकोक्तियाँ :-

(i) अन्धा पीसे कुत्ता खाए :- परिश्रम कोई करे और लाभ कोई उठाए
वाक्य नेहा परीक्षा में दूसरों को बताती रही और उसका प्रश्न - पत्र पूरा न कर सकी। सही कहा गया है अंधा पीसे कुत्ता खाए।

(ii) आँख के अन्धे नाम नयन सुसुख :- नाम के अनुसार गुण होना।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

आशय मेरे भाई का नाम सो प्रेम है परन्तु वह किसीसे ~~प्यार~~ प्यार से बात नहीं करता। उस पर यही उक्ति चरितार्थ है आँख के अंधे नाम नयन सुख।

प्रश्न - 14

प्र.14 विलोम शब्द -

(i)	सज्जन	दुर्जन
(ii)	कृतज्ञ	कृतघ्न
(iii)	सजीव	निर्जीव
(iv)	पराधीन	स्वाधीन

प्रश्न - 15

प्र.15 भिन्नार्थक समोच्चारित

(i) छात्र - क्षात्र

छात्र → विद्यार्थी

वाक्य प्रत्येक छात्र को मन लगाकर पढ़ना चाहिए

क्षात्र → क्षत्रिय

वाक्य महाराणा प्रताप एक वीर क्षात्र थे।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र. (iii) वसन – व्यसन

वसन → वस्त्र
वाक्य मनुष्यों को वसन धारण करके रहना चाहिए

व्यसन → बुरी आदत
वाक्य व्यसन से जीवन नष्ट हो जाता है।

प्रश्न – 16

B प्र. प्र(16) रहीम --- दिया है?

S

E उ = 16 कविवर 'रहीम जी' ने अपने नीतिगत दोहों में धन को बहुत महत्व दिया है क्योंकि धन के अभाव में कोई भी व्यक्ति अधिक मित्र नहीं बना सकता। धन में मित्र बनाने की शक्ति होती है। धनहीन मनुष्य से कोई भी मित्रता नहीं करना चाहता और जैसे ही वह व्यक्ति धनवान बनता है, सब उसके मित्र बनने के लिए आतुर हो उठते हैं।

आज के इस भौतिकवादी युग में धन ही मनुष्य के लिए सब कुछ बन गया है इसलिए भी कवि ने धन को महत्वपूर्ण बताया है।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ के अंक = कुल अंक

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

क्र. 17

प्रश्न - 17

प्र. 17 कवि ने .... उल्लेख करो ?

उ. 17 कवि 'श्री गोपाल सिंह 'नेपाली' जी ने हमारे अर्थात भारतवासियों और हिमालय के कई सम्बन्ध बताए है, उनमें से प्रमुख निम्नलिखित हैं :-

(अ) जिस प्रकार हिमालय पर्वत पर सूर्योदय और सुर्यास्त की लालिमा समान रहती हैं, उसी प्रकार भारतवासी दुःख - सुख को समान भाव से अपनाते है।

(ब) तुफानों से टकराकर उन्हें रोकने की जो क्षमता हिमालय में है वही क्षमता भारतवासियों भारतवासियों में भी है अर्थात भारतवासी भी किसी भी मुश्किल से टकराकर उस पर आसानी से विजय प्राप्त कर सकते हैं।

(स) हिमालय की तरह भारतवासी भी अपने निर्णय पर अटल, अडिग और अविचल रहते हैं।

प्रश्न - 18

प्र. 18 "हम कहाँ .... है ?

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

उत्तर 18 (18)

"हम कहाँ जा रहे है" कविता में कवि श्री 'सुदर्शन प्रियदर्शनी' ने यह संदेश दिया है कि हम अपनी छद्म प्रवृत्ति को उतार फेंके। बाह्य आडंबर को नष्ट कर दें। तथाकथित पश्चिमी सभ्यता के पीछे भागना बंद करें। अपनी संस्कृति व सभ्यता को पहचाने और उसीका पालन करें।

कवि का कहना है कि हम भारतीय पश्चिमी सभ्यता की चीजों को देखकर ललच रहे हैं एवं अपनी उपलब्धियों को नकार रहे हैं। यह शुभ संकेत नहीं है। हमारी संस्कृति और सभ्यता दुनिया में श्रेष्ठ है। अतः हम हमें भारतीय ही बने रहना चाहिए। इसीमें हमारा कल्याण हैं।

प्रश्न - 19

प्र.19 बाढ़ पीड़ितों ---- गई ?

उत्तर 19 जब लेखक 'बाबु गुलाबराय जी' का गाँव जलमग्न हो गया और सभी ओर लोग मदद की गुहार लगाने लगे तो पड़ोस के गाँव के लोगों ने और सरकार ने उन्हें अन्न वस्त्रादि देकर उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ पूरी की। कॉलेज के विद्यार्थियों ने सिलीपरों की सड़के बनाकर लोगों को

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

निकाला । विद्यालय तथा सभी शैक्षणिक संस्थान में लोगों को आश्रय दिया गया। लेखक को भी जैन बॉडिंग में आश्रय मिला। लोगों के घर के आस-पास से पानी निकाला गया और मिट्टी डाली गयी। इस प्रकार बाढ़ पीड़ितों की सहायता की गई।

प्रश्न - 20

प्र(20) दुनियाँ में ---- अधिक थी?

उ-20) 'काका कालेलकर' जी के अनुसार दुनियाँ में दो अमोघ शक्तियाँ है :- शब्द और कृति। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि शब्दों ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है परन्तु अन्तिम शक्ति तो कृति की ही है।

कस्तूरबा की निष्ठा कृति में अधिक थी। वे काम को कर दिखाने में अधिक विश्वास रखती थी। वे ज्यादातर जवाब हाँ या ना कहकर दे देती थी कोई लम्बा-चौड़ा भाषण नहीं सुनाया करती थी। उन्होंने कृति की शक्ति से ही जीवन सिद्धी प्राप्त की।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र. 21

प्रश्न - 21

प्र.21 केरल के - - - - - हैं ?

उत्तर 21 दक्षिण भारत की यात्रा के दौरान लेखक श्री 'विनयमोहन शर्मा' ने केरल की भी यात्रा की थी। उन्होंने केरल के गाँवों की निम्नलिखित विशेषताएँ बताई हैं :-

(अ) केरल में हरियाली हर स्थान पर फैली हुई है। यहाँ की चप्पा - चप्पा जमीन हरी-भरी है।

(ब) केरल के प्रत्येक स्कूल में हिन्दी भाषा का अध्ययन कराया जाता है। हिन्दी यहाँ पर परीक्षा की अनिवार्य भाषा है।

(स) केरल के प्रत्येक गाँव में एक स्कूल, एक दवाखाना, पोस्ट ऑफिस आदि अवश्य होते हैं।

(द) गाँवों में बिजली हमेशा उपलब्ध रहती है।

प्रश्न - 22

प्र 22 यशोदा - - - - भेजा ?

उत्तर 22 जब कृष्ण मथुरा चले गए तो माँ यशोदा पथिक उद्धव के माध्यम से देवकी को संदेश भेजती है कि वैसे तो वे कृष्ण की धाय

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

है और धाय बच्चे के विषय में माँ से कुछ कहे यह उचित नहीं है परन्तु वे फिर भी कृष्ण प्रेम के कारण स्वयं को रोक नहीं पा रही हैं। वे देवकी से कहती हैं कि वैसे तो तुम कृष्ण की सभी आदतों एवं रुचियों से परिचित हो फिर भी मैं तुम्हें कहना चाहती हूँ कि सुबह होते ही लाड़ले कन्हैया को माखन-रोटी खाने की आदत है।

वे आगे कहती हैं कि कृष्ण नहाने में बहुत नखरे करते हैं। कन्हैया गरम पानी, तेल और उबटन देखकर भाग जाते हैं। नहाने के लिए वो जो-जो मांगते हैं, मैं उसे वो सभी चीज़े देती हूँ। अंत में माता यशोदा कहती हैं कि उनका लाड़ला पुत्र बड़ा संकोची है तो कहीं ऐसा न हो की देवकी तुम्हारे डर से उसे मन मारना पड़ जाए। अतः देवकी तुम्हें ही कृष्ण की रुचियों रुचियों एवं आदतों का ध्यान रखना होगा।

प्रश्न – 23

प्र.23 लोगों की सिरचन .... कीजिए।

उत्तर 23) मनुष्यों की प्रत्येक चीज़ के लिए अच्छी और बुरी दोनों प्रकार की धारणाएं होती हैं। उसी

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

लोगों की सिरचन के प्रति भी अच्छी और बुरी दोनों प्रकार की धारणाएँ थी। कुछ लोग तो उसे एक कुशल कारीगर मानते थे जो केवल पारिश्रमिक को ध्यान में रखकर काम नहीं करता। ऐसे लोग उसका सम्मान करते थे और मानते थे कि उसके जैसी शीतलपाटी, चिक, जाले आदि कोई नहीं बना सकता।

दूसरी ओर गाँव के कुछ लोग तो सिरचन को काम चोर, चटोर, आलसी मुँह फट आदि भी मानते थे। ऐसे लोग उसे बेकार ही नहीं 'बेगार' भी समझते थे।

B S E

प्रश्न - 24

प्र.24 निम्नलिखित - - . लिखिए :-

जागो - - - कहाऊँगा।"

उत्तर 24) 1. संदर्भ :- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक 'मकरंद' के पाठ - 9 'जागो फिर एक बार' से ली गई है। इसके कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी है।

2. प्रसंग :- इन पंक्तियों में कवि भारतवासियों को नवजागरण का उद्‌बोधन दे

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

भारतीयों को प्रेरित करने के लिए वे हमारे गौरवमय अतीत को भी सहारा लेते है।

3. व्याख्या :- कवि भारतवासियों को स्वतंत्रता प्राप्ति के महासंग्राम मे वीर की भाँति संघर्ष करने की प्रेरणा देते हुए कहते हैं कि जो वीर देश के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा देता है उसका गुणगान सभी भारतवासी करते हैं। वह सभी के दिलों में अमर हो जाता है।

कवि भारत के अतीत से गुरु गोविंद सिंह का उदाहरण देते हैं। वे कहते है कि गुरु गोविंदसिंह ने तो अपने सैनिकों को कहा था कि मेरा प्रत्येक सैनिक सवा-सवा लाख शत्रुओं को मारकर ही मरेगा। अर्थात कवि भी इस बात से भारतीयों को अपनी ताकत को पहचानकर उसके अनुरुप कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

4. विशेष :-

(i) राष्ट्रीय नवजागरण का उद्बोधन दिया गया है।

(ii) पद मुक्तक छंद में लिखा गया है। लयात्मकता और तुकात्मकता नहीं है।

(iii) भाषा सरल तथा सुबोध है।

(iv) सवा-सवा में पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 25

प्र.25 निम्नलिखित ----- दीजिए -

शिक्षा का ---- रही है।

उत्तर-25
(i) 'शिक्षा का ~~उद्देश्य~~ उद्देश्य'

(ii) बेरोजगारी

(iii) शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य बनाना है परन्तु वर्तमान शिक्षा प्रणाली से ऐसा कोई लाभ नहीं हो रहा है।

(iv) शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य बनाना। उनमें आत्म निर्भरता की भावना भरना तथा देशवासियों का चरित्र निर्माण करना है।

प्रश्न - 26

प्र. 26 "ठान लोगे ...... न देना ॥"

उत्तर-26
(i) 'देश की स्वाधीनता'

(ii) काली घटा का तात्पर्य संकट से है। अर्थात देश के सम्मान पर कोई आँच आना।

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

(iii) कवि देशवासियों और नवयुवकों को देश की रक्षा के लिए प्रेरित करते हुए कहते हैं कि देश के गौरव के लिए तुम हँसते-हँसते अपने प्राण दे देना परन्तु देश की स्वाधीनता पर कोई आँच न आने देना।

P.T.O.

B
S
E

20

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPR

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 27

प्र. 27 अपनी बोर्ड - - - - - - पत्र लिखिए।

21, जवाहर नगर
खरगोन (म.प्र.)

07/03/2017

आदरणीय पिताजी,
सादर चरण स्पर्श!
मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करता हूँ की आप भी ठीक होंगे। आपने पिछले पत्र में मुझसे मेरी बोर्ड परीक्षा की तैयारी की सूचना मांगी थी परन्तु मैं अपनी पढ़ाई में व्यस्त होने के कारण जवाब न भेज सका।

मैंने अपनी परीक्षा की लगभग पूरी तैयारी कर ली है। मैं प्रारंभ से ही सभी विषयों को पड़ता रहा इसलिए मुझे ज्यादा परेशानी नहीं हो रही है। मैंने भौतिक विज्ञान, हिन्दी और गणित की तो अच्छी तैयारी कर ली है परन्तु मुझे रसायन में थोड़ी दिक्कत आ रही है। इसलीए मैंने रसायन की ट्यूशन भी चालु कर दी है। मैं प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे से रात 11:30 तक पढ़ता हूँ। मैंने अपनी तरफ से कोई भी कमी नहीं छोड़ी है। मैं आपके कहे अनुसार एक निश्चित टाईम टेबल से पढ़ता हूँ। मुझे लगता है कि मैं परीक्षा में

B S E

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो आपकी आशाओं को पूरा कर सकूँगा। शेष आपका आशीर्वाद और प्रभु की इच्छा पर निर्भर है।

मताजी को भी सादर प्रणाम और छोटी को प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
अ-ब-स

पत्र का बाहरी स्वरूप

डाक
टिकट

प्रति,
श्रीमान् राकेश पाण्डे
19, गांधी वाटीका
इन्दौर (म.प्र.)

प्रेषक :
अ-ब-स

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 28

खण्ड क (अ)

प्र. 28 (i) राष्ट्रीय एकता

1. प्रस्तावना
2. राष्ट्रीय एकता की कसौटी
3. एकता भंग के कारण
4. राष्ट्र विग्रह की स्थिति
5. सामूहिक प्रयत्न
6. सरकार के प्रयत्न
7. उपसंहार

BSE

"हम सभी है अलग - अलग, अलग - अलग है क्यारी - क्यारी ।
लेकिन हम सब से मिलकर ही इस उपवन की शोभा सारी ॥"

1. प्रस्तावना :- भारत एक ऐसा देश है जहाँ विभिन्न संप्रदाय, जाति, वर्ग, धर्म आदि के लोग एक साथ प्रेम से रहते हैं। हमारे देश में सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान होता है। प्राचीन समय से ही भारत में सांप्रदायिक एकता विद्यमान है। जिसके कारण पूरा राष्ट्र एकता के एक देश में बंधा हुआ है। अनेकता में एकता ही

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALB

हमारे देश की सबसे बड़ी पहचान हैं।

राष्ट्रीय एकता की कसौटी :- हम यह बहुत आसानी से कह सकते हैं कि हमारा राष्ट्र भारत में एकता है क्योंकि यहाँ प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की मदद के लिए तत्पर रहता है।

एकता भंग के कारण :- हमारे भारत में सभी प्रेम से रहते हैं परन्तु कभी - कभी हमारी राष्ट्रीय एकता पर संकट आ जाता है। यह हमारी सोच नहीं होती बल्कि कोई दूसरे देश की कुटनीति के कारण हमारे यहां यह समस्या उत्पन्न होती है।

"राष्ट्र की एकता भंग होने का अशिक्षा
है कारण।
जल्द से जल्द करना होगा इसका
निवारण ॥"

राष्ट्र विग्रह की स्थिति :- हमारे राष्ट्र भारत को तोड़ने के लिए बहुत सी बाहरी शक्तियाँ तत्पर है परन्तु यदि हम अपनी समझदारी से ~~काम~~ काम लें तो हम इसे बहुत आसानी से समस्या को बहुत आसानी से हरा

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPR

प्रश्न क्र.

सकते हैं।

5. सामूहिक प्रयत्न :- राष्ट्रीय एकता को बनाने का कार्य कोई एक व्यक्ति नहीं कर सकता बल्कि इसके लिए सभी देशवासियों को अपने धर्म, जाति, वर्ग से ऊपर उठकर देश के लिए आगे आना होगा। सभी के सामूहिक प्रयत्न से ही राष्ट्र में एकता बनी रह सकती है। इसीलिए कहा गया है :-

"हिन्दु - मुस्लिम - सिख - ईसाई हम सब भाई-भाई
मातृभूमि भारत हम सबकी हम सब भाई-भाई ॥"

B
S
E

6. सरकार के प्रयत्न :- सरकार द्वारा राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए अनेक प्रयत्न किए गए परन्तु केवल सरकार एकता नहीं बनाए रख सकती। यह हम सबको मिलकर ही करना होगा। सरकार सभी धर्मों एवं जातियों को एक समान समान मानकर सभी को एक जैसे अधिकार देती है। अमेरिका के एक सर्वे से पता चला है कि केवल भारत ही ऐसा देश है जहाँ इतने धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं।

25

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय **2017**

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
Hindi	0 5 1	English	07 03 2017

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

[redacted]

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

421017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

ममता ओरा

Mamata

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक......................तक कुल प्राप्तांक [ ] + [ ] = [ ]

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESHBHOPAL

7. <u>उपसंहार</u> :- राष्ट्रीय एकता उन्नति के लिए एक बहुत जरूरी पहलु है। केवल सरकार एक राष्ट्र में एकता बनाए नहीं रख सकती, यह कार्य तो नागरिकों के हाथ में होता है। वे ही एकता बनाए रख सकते हैं और वे ही एकता भंग भी कर सकते हैं। इसीलिए सभी लोगों को धर्म से बढ़कर देश के लिए सोचना होगा।

"चाहे जो हो धर्म तुम्हारा चाहे जो हो जाति,
नहीं जी रहे अगर देश के लिए तो अपराधि हो।"

BSE

अंकों का योग

प्रश्न क्र.

खण्ड (ब)

(i) बेरोजगारी की समस्या

रूपरेखा :-

1. प्रस्तावना
2. बेरोजगारी के प्रकार
3. बेरोजगारी के प्रमुख कारण
4. बेरोजगारी का प्रभाव
5. मस्तिष्क पर प्रभाव
6. सरकार द्वारा किए प्रयत्न
7. उपसंहार

अंत